

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1125

उत्तर दिनांक 05/12/2024 को दिया गया

पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से सहज परिवर्तन

1125. श्रीमती पी. टी. उषा

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) क्या सरकार जीवाश्म ईंधन जैसे पारंपरिक स्रोतों से सुचारु परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए देश में छोटे या पोर्टेबल परमाणु रिएक्टरों की क्षमता में वृद्धि करने की मंशा रखती है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इस संबंध में किसी समझौता ज्ञापन को अमल में लाया गया है;
- (घ) क्या सरकार आत्मनिर्भर प्लेटफार्म के तहत प्रौद्योगिकी के अधिग्रहण को बढ़ाने के लिए देश में उन्नत प्रौद्योगिकी और अनुसंधान संस्थानों के साथ तकनीकी रणनीतिक सहयोग करने पर विचार कर रही है; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) हां। 220 मेगावाट के मानक दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर), जिनका साबित संरक्षा और निष्पादन रिकार्ड है, को भूमि की आवश्यकता को कम करने और स्व-उत्पादित (कैप्टिव) विद्युत संयंत्र के रूप में उपयोग के लिए उद्योगों के करीब स्थापित करने के लिए उन्नत किया जा रहा है। इन रिएक्टरों को भारत लघु रिएक्टर (बीएसआर) कहा जाता है, इन्हें इस्पात, एल्युमीनियम, धातु आदि जैसे उद्योगों की कार्बन-मुक्तिकरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए योजनाबद्ध किया गया है।

सेवा समाप्त कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के पुनःप्रयोजन हेतु और देश में सुदूर स्थानों पर बिजली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बीएसआरसी द्वारा लघु मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित किया जा रहा है ताकि जीवाश्म ईंधन जैसे पारंपरिक स्रोत से सुचारु रूप से बदलाव लाया जा सके।

रिएक्टर का अभिकल्प भारत सरकार की “मेक-इन इंडिया” पहल के पूरी तरह से अनुरूप है। देश के मौजूदा नाभिकीय विक्रेता इन अभिकल्पों का पूरा समर्थन कर सकते हैं।

(ग) नहीं।

(घ) व (ङ) परमाणु ऊर्जा विभाग के पास इस क्षेत्र में व्यापक अनुभव और तकनीकी ज्ञान है। वर्तमान में, आत्मनिर्भर मंच के तहत प्रौद्योगिकी के लाभ को बढ़ाने के लिए देश के प्रगत प्रौद्योगिकी और अनुसंधान संस्थानों के साथ तकनीकी रणनीतिक सहयोग की संभावना तलाशी नहीं जा रही है।